

सलिलज वि. (तत्.) जल में उत्पन्न होने वाला, कमल, शैवाल आदि।

सलिलद वि. (तत्.) 1. जल देने वाला, बादल 2. तर्पण करने वाला।

सलिलधर पुं. (तत्.) बादल।

सलिलनिधि पुं. (तत्.) समुद्र, जलाशय।

सलिलपति पुं. (तत्.) 1. समुद्र 2. वरुण।

सलिल-योनि वि. (तत्.) जल से उत्पन्न पुं. ब्रह्मा।

सलिल-राज पुं. (तत्.) वरुण देव।

सलिल-स्थलचर वि. (तत्.) जल और स्थल दोनों में रहने वाला, उभयचर।

सलिजांजलि स्त्री. (तत्.) तर्पण की क्रिया, जलांजलि।

सलिला स्त्री. (तत्.) नदी।

सलिजाकर पुं. (तत्.) समुद्र।

सलिजाधिप पुं. (तत्.) वरुण।

सलिलार्णव पुं. (तत्.) समुद्र।

सलिलार्थी वि. (तत्.) जल चाहने वाला, प्यासा।

सलिलालय पुं. (तत्.) समुद्र।

सलिलाशन वि. (तत्.) केवल जल पीकर रहने वाला।

सलिलाशय पुं. (तत्.) जलाशय, कुँआ, तालाब आदि।

सलिलाहार वि. (तत्.) केवल जल पीकर रहने वाला, सलिलाशन।

सलिलेंद्र पुं. (तत्.) वरुण।

सलिलेंधन पुं. (तत्.) जल में होने वाली अग्नि, बडवानल वि. तीन प्रकार की अग्नियों में से एक।

सलिलेचर पुं. (तत्.) जल के जीव, जलचर।

सलिलेश पुं. (तत्.) वरुण।

सलिलेशय वि. (तत्.) जल में सोने वाला पुं. विष्णु।

सलिलेश्वर पुं. (तत्.) वरुण।

सलिलोद्भव वि. (तत्.) जल में उत्पन्न होने वाला पुं. कमल, शैवाल, घोंघा।

सलिलौदन पुं. (तत्.) चावल का भात।

सलीका पुं. (अर.) 1. किसी कार्य को करने का समुचित ढंग 2. योग्यता, तमीज, शऊर 3. शिष्टता 4. व्यवस्था जैसे- सभी चीजें सलीके से रखी हुई हैं।

सलीता पुं. (देश.) एक प्रकार का मोटा मारकीन का कपड़ा।

सलीब स्त्री. (अर.) 1. सूती 2. एक खंभा, जिसके ऊपर की ओर आड़ी लकड़ी बँधी या जड़ी होती है, ईसामसीह को ऐसी ही सलीब पर लटकाया गया था, ईसाई मतानुसार क्रॉस।

सलीबी वि. (अर.) सलीब को मानने वाला पुं. ईसाई मतानुयायी।

सलीम वि. (अर.) 1. विनयशील 2. स्वस्थ 3. एक मुगल सम्राट जहाँगीर का बचपन का नाम।

सलीमशाही स्त्री. (अर.) दिल्ली में बनने वाली एक प्रकार की खूबसूरत और मुलायम जूती।

सलील वि. (तत्.) 1. रसिक 2. कामुक क्रि.वि. 1. लीला के साथ 2. अनायास, सरलतापूर्वक, बिना विशेष प्रयत्न किए हुए।

सलीस वि. (अर.) सलासत से युक्त दे. सलासत।

सलूक पुं. (अर.) 1. व्यवहार, भलाई, प्रेम, उपकार 2. ईश्वर को प्राप्त करने की इच्छा।

सलूका पुं. (देश.) महिलाओं के पहनने का कुर्ता जो पूरे बांह का और कमर तक की लंबाई वाला होता है, शलूका।

सलूग पुं. (देश.) 1. एक बहुत छोटा कीट 2. जूँ 3. जूँ का अंडा, लीख।

सलूना वि. (तद्.) 1. नमकीन (पदार्थ) 2. लावण्ययुक्त, सुंदर।

सलूनी स्त्री. (देश.) एक विशेष प्रकार का साग, चुक्रिका।